Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to send a central team to report on pollution of rivers in Chatra Parliamentary Constituency, Jharkhand and to take necessary remedial measures.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा): मेरे संसदीय क्षेत्र चतरा में चंदवा होकर देवनद-दामोदर नदी प्रवाहित होती है, जो झारखंड के विभिन्न जिलों से गुजरकर बंगाल से होती हुई बंगाल की खाड़ी में समाहित होती है। देवनद-दामोदर को झारखंड की लाईफ-लाईन कहा जाता हे। दामोदर के अलावा आन्य नदियां भी चतरा लोक सभा क्षेत्र से प्रवाहित होती हैं, परंतु आज प्रदूषण और अतिक्रमण से इन नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इनका जल मानव जाति, पशुधन और कृषि के लिए हानिकारक हो गया है। नदियों से लगातार बालू खनन के कारण नदी संकीर्ण हो रही है। लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के उपक्रम इस प्रदूषण और अतिक्रमण के लिए जिम्मेवार हैं। कोयला क्षेत्र की कम्पनियां हिंडालको, सी. सी. एल., बी. सी. सी. एल. पिपरवार, अम्रपाली व मगध एवं पतरातु सहित अन्य बिजली उत्पादन ईकाइयां अपना अपशिष्ट और प्रदूषित कचरा-मलबा दामोदर व अन्य नदियों में डालती हैं, निजी प्रतिष्ठानों द्वारा भी इसको प्रदूषित किया जा रहा है।

साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि कोयला परिवहन के लिए निर्धारित मापदण्डों का पालन नहीं होने से वायु प्रदूषण एवं वातावरण प्रदूऐाण भी हो रहा है, जिस कारण से आस-पास के गांवों में रहने वाले लोगों को दूषित हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही हैं। अनियंत्रित कोयला परिवहन के कारण सैकड़ों लोग प्रतिवर्ष दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। साथ ही रेलवे द्वारा भी कोयले से उत्पन्न प्रदूषण पर प्रभावी निषेध नहीं किया जा रहा है।

मेरी भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों से मांग है कि दामोदर सहित अन्य नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएं । साथ ही कोयला क्षेत्र की कम्पनियों हिंडालको, सी. सी. एल., बी. सी. सी. एल., आदि नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए उपाय किए जाने के सख्त निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा मंत्रालय स्तर से एक केंद्रीय जांच दल भेजकर झारखण्ड, मुख्यतः चतरा लोक सभा क्षेत्र की नदियों के जल एवं वायु की गुणवत्ता एवं प्रदूषण फैलाने वाले कारकों की जांच कर रिपोर्ट प्राप्त कर उस पर कार्यवाही की जाए ।